चीनी निर्यातक और एथनाल उत्पादक मिलों को सरकार देगी प्रोत्साहन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : निर्यात प्रोत्साहन और एथनाल उत्पादन बढ़ाने से चीनी मिलों को भारी राहत मिली है। आगामी पेराई सीजन के लिए सरकार ने अधिक चीनी निर्यात और एथनाल उत्पादन की छूट दी है। इससे आने वाले दिनों में गन्ना किसानों को उनके बकाया भुगतान करने में सहूलियत होगी। वैश्विक बाजार में तेजी के रुख से चीनी का घोषित निर्यात कोटा लगभग पूरा होने की ओर है। अतिरिक्त चीनी का निर्यात तेजी से हो रहा है।

केंद्र सरकार की पहल से गन्ना किसानों के साथ चीनी उद्योग ने राहत की सांस ली है। निर्यात मांग बढ़ने से अब तक 70 लाख टन चीनी का वैश्विक सौदा हो चुका है। जबकि चीनी मिलों के आग्रह

वैश्विक बाजार के रुख से चीनी का निर्यात 60 लाख टन से अधिक ● फाइल फोटो

पर सरकार ने चालू सीजन में 60 लाख टन चीनी निर्यात का कोटा घोषित किया था। बीते 16 अगस्त तक इससे अधिक निर्यात हो चुका है। चालू सीजन 2020-21 के दौरान किसानों से रिकार्ड 91,000 करोड़ का गन्ना खरीदा गया है। अतिरिक्त स्टाक वाली चीनी का निर्यात करने के लिए सरकार ने कई तरह की रियायतें भी दी है। चालू सीजन 2020-21 के दौरान 60 लाख टन चीनी निर्यात के लिए प्रति टन 6,000 रुपये की निर्यात सब्सिडी दी गई है। घरेलू बाजार में चीनी मूल्य में सुधार के लिए आगामी पेराई सीजन 2021-22 के लिए कई मिलों ने निर्यात का वायदा सौदा भी कर लिया है। सरकार पेट्रोल में एथनाल मिश्रण को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। इससे क्रूड आयल आयात पर निर्भरता घटेगी और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी।

पिछले दो वर्षों में 3.37 लाख टन और 9.26 लाख टन चीनी का उपयोग एथनाल उत्पादन के लिए किया गया। जबकि चालू पेराई सीजन में इसे बढ़ाकर 20 लाख टन कर दिया गया। इसी तरह आगामी पेराई सीजन 2021-22 के दौरान एथनाल उत्पादन के लिए 35 लाख टन चीनी रखने का फैसला किया गया है।